गुरु चरणो मे मन मेरो लागे.....

गुरु चरणो मे मन मेरो लागे । नश्वर जगत से मन मेरो भागे ॥
चरणो की धुली मे करुं मै स्नान । हे मेरे सदगुरु साई आसाराम ॥

१. निस दिन हम गुरुनाम जपेगे । निस दिन हम गुरुसुमिरण करेगे ॥
ऐसा ही हम को दे दो वरदान । हे मेरे सदगुरु साई आसाराम ॥

२. सुबह और शाम तेरा ध्यान लगाऊँ । सब घट तेरा दर्शन पाऊँ ॥
माता पिता और तु ही भगवान । हे मेरे सदगुरु साई आसाराम ॥

३. तेरे ही सहारे मेरी जीवन नैया । तू ही है खिवैया मेरा पार लगईया ॥
कृपा करो हे कृपानिधान । हे मेरे सदगुरु साई आसाराम ॥

४. धन्य धन्य हे माता मँहगीबा । बार बार करे उनकी वन्दना ॥
जिसने हमको दीये साईराम । जय जय जय साई आसाराम ॥
हे मेरे राम सर्व शक्तिमान । हे भगवान सर्व शक्तिमान ॥
चरणो की भक्ति का दे दो वरदान ॥

५. सब तजि शरण गहि प्रभु तेरी । विनय सुनो अब गुरुवर मेरी ॥
कृपा करो हे कृपानिधान । हे मेरे सदगुरु साई आसाराम ॥
हे भगवान सर्व शक्तिमान । चरणो की भक्ति का दे दो वरदान ॥